केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 162 मंगलवार 2 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

नये साल में मंदिरों पर उमड़ी आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। नये साल के स्वागत का जश्न लोगों ने अपने–अपने अंदाज में मनाया। सूर्य देव के समय से दर्शन के बाद घूमने के बचने का कोई बहाना भी नहीं बचा। पार्क के साथ ही लोग रेस्टोरेंट से लेकर सड़क पर अपने पंसद के फूड का आनंद लेते हुए दिखे। वहीं भदेश्वरनाथ मंदिर के साथ ही अनेक मंदिों में में भक्तों की आस्था उमड़ी पड़ी।

जबकि बच्चे चाट, फुल्की, मोमो से लेकर चाउमिंग का आनंद लेते दिखे। युवा वर्ग फोटो शूट कराने में भी व्यस्त दिखा।कटेश्वर पार्क में भी लोग उमड़े और एक दूसरे को नव वर्ष की बधाई दिया।

वाहन चालकों ने हाईवे जाम कर किया नारेबाजी

–भारतीय बस्ती संवाददाता

नगर बाजार (बस्ती) राष्ट्रीय राजमार्ग 28 पर हिट एंड रन के नए कानून को लेकर वाहन चालकों का विरोध जारी है। कानून को रद्द करने की मांग को लेकर चला आ रहा आंदोलन नए साल के पहले ही दिन तेज हो गया। वाहन चालकों ने हाइवे पर चक्का जाम कर नारेबाजी की।

सोमवार को वाहन चालक लखनऊ से गोरखपुर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 28 नेशनल कप्तानगंज से फुटाहिया तक के सामने एकत्र हुए। इसके बाद नए कानून के खिलाफ जाम लगा दिया। जमकर नारेबाजी की गई।

ट्रक ड्राइवर ने कहा की सरकार ने जो कानून बनाया है उसमें दुर्घटना होने पर 10 साल की सजा और लाखों रुपए जुर्माना का प्रावधान है कितने रुपए हम कहां से देंगे अगर इतने रुपए हमारे पास होते तो हम वहां ही क्यों चलते सरकार इस कानून को वापस ले जिससे हम गरीब लोग भी अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें। इस कानून से सरकार ने वाहन चालकों का गला घोंटने का काम किया है। ड्राइवर अपनी मांगों को मनवाने में जुटे रहे। देखते ही देखते ट्रक का जाम कई किलोमीटर तक हो गया। इस मौके पर एसडीएम सदर गुलाबचंद क्षेत्राधिकार कलवारी अशोक कुमार मिश्रा यातायात प्रभारी कामेश्वर सिंह क्षेत्राधिकरी हरिया शेषमणि उपाध्याय धीरज त्रिपाठी प्रभारी कोतवाल चंदन कुमार थाना प्रभारी नगर संतोष कुमार थाना प्रभारी कलवारी बीपी सिंह चौकी प्रभारी दुर्गा प्रसाद पांडे सहित लोग उपस्थित रहे।

वरिष्ठ अधिवक्ता विनय कुमार के निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वरिष्ठ अधिवक्ता विनय कुमार श्रीवास्तव के निधन से शोक की लहर है। 31 दिसम्बर रविवार को मालवीय रोड निवासी 74 वर्षीय विनय कुमार श्रीवास्तव का अंतिम संस्कार कुंआनों स्थित मूड़घाट पर किया गया। मुखाग्नि उनके पुत्र प्रसून श्रीवास्तव ने किया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गये है।

वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में शोक सभा कर अधिवक्ता विनय कुमार श्रीवास्तव को भाव भीनी श्रद्धंजलि दी गई। पं. चन्द्रबली मिश्र, ओ.पी. द्विवेदी, प्रदीप कुमार, छोटेलाल वर्मा, सामईन फारूकी, बी.के. मिश्र, दीनानाथ यादव, नीरज कुमार वर्मा के साथ के अनेक लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। वक्ताओं ने कहा कि रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष, शासकीय अधिवक्ता और वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के संरक्षक के साथ ही अनेक सामाजिक संगठनों से जुड़े अधिवक्ता विनय कुमार श्रीवास्तव का योगदान सदैव याद किया जायेगा।

नये कानून के विरोध में हड़ताल का व्यापक असर:भटकते रहे यात्री

लखनऊ (आभा)।नए साल के पहले दिन सोमवार को रोडवेज चालकों ने चक्का जाम कर दिया. रोडवेज बसों का पहिया थमने की वजह से यात्रियों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ा. बस स्टेशनों पर यात्री भटकते नजर आए. बता दें कि ऑल इंडिया ट्रक चालक संगठन ने एक जनवरी को हड़ताल का आह्वान किया था. सोमवार की सुबह रोडवेज बसों के चालक हड़ताल पर चले गए. बस चालकों ने चक्काजाम कर नए कानून का विरोध जताया. केंद्र सरकार ने नए कानून में सड़क दुर्घटना के बाद सख्त सजा का प्रावधान किया है. दुर्घटना के बाद मौके से फरार होने पर बस चालक को 5 साल की कैद और 10 लाख रुपए जुर्माना का सामना करना पड़ सकता है।

नए कानून के विरोध में सरकारी बसों के चालक पूरे भारत में एक साथ हड़ताल पर चले गए हैं. उन्होंने काले कानून को जल्द से जल्द वापस लेने की गुहार लगाई है. उन्होंने कहा कि बस से दुर्घटना होने पर भीड़ सबसे पहले चालक को मौत के घाट उतारने की कोशिश करती है. गुस्साई भीड़ बस को भी आग के हवाले कर देती है. हादसा के बाद जान बचाना चालक की पहली प्राथमिकता होती है. भीड़ से बचने के बाद पुलिस को दुर्घटना की जानकारी चालक जरूर दे देते हैं. चालक भी नहीं चाहते कि हादसे का शिकार हुए शख्स के साथ अनहोनी होने पाए. रोडवेज बस चालकों के हड़ताल का असर सबसे ज्यादा आम लोगों पर पड़ रहा है. लोग बसों के लिए दर–दर भटकते नजर आए. हड़ताल के कारण निजी गाड़ियों के ड्राइवरों की चांदी हो गई. प्राइवेट बस चालक यात्रा के नाम पर लोगों से दोगुना और तिगुना किराये की वसूली किया। बस्ती में भी हड़ताल का व्यापक असर रहा और अनेक स्थानों से विवाद की छिटपुट घटनायें सामने आयी।

बिजली बकायेदारों को सरकार ने दिया राहत

लखनऊ (आभा)। यूपी में बिजली के बकाएदारों और बिजली चोरी में पकड़े गए लोगों को योगी सरकार ने नए साल का तोहफा दिया है। किसी भी वजह से अगर बिजली विभाग की एक मुश्त समाधान योजना (ओटीएस) स्कीम का फायदा आप नहीं उठा सके हैं तो अब 16 जनवरी तक उठा सकते हैं। पहले 31 दिसंबर तक ही रजिस्ट्रेशन का मौका दिया गया है। इस योजना से 47 लाख से ज्यादा बिजली ग्राहक लाभान्वित हो चुके हैं। योजना में कुल 47 लाख 3 हजार 759 उपभोक्ताओं ने लाभ लिया है। इसमे उन्हें रु 1731.28 करोड़ की छूट मिली और पावर कॉर्पोरेशन को रु 5146.01 करोड़ का राजस्व भी मिला है।

गौरतलब है कि सरकार ने आठ नवंबर को ओटीएस की शुरुआत की थी। योजना का पहला चरण 8 से 30 नवंबर तक, दूसरा चरण 1 से 15 दिसंबर और तीसरा चरण 16 से 31 दिसंबर तक चला था। योजना के पहले चरण में बकायेदारों को जुर्माने में 65 फीसदी की छूट दी गई थी। दूसरे चरण में 60 फीसदी की छूट का फायदा बकायेदारों को मिला था। अंतिम और तीसरे चरण में बकायेदारों को जुर्माने में 50 प्रतिशत की छूट दी गई। चोरी में पकड़े गए लोगों को भी राहत देते हुए किस्तों में बकाया जमा करने की छूट मिली।

योजना का लाभ उपभोक्ताओं को देने के लिए 4671 विद्युत उपकेन्द्रों पर कैम्प लगाए गए थे। बचे हुए उपभोक्ताओं को इसका लाभ देने के लिए अंतिम दिन रविवार को देर रात तक कार्यालय खोले गए थे। हालांकि कई जिलों में तकनीकी खराबी के कारण ग्राहकों को परेशानियों का सामना भी करना पड़ा था।

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि योजना के अंतिम चरण में लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए 16 दिन के लिए और बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों का सीजन और जन भावनाओं के साथ ही जन प्रतिनिधियों के विचारों का आदर करते हुए योजना को 16 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है। यह भी कहा कि 16 दिन का इंतजार न करें। जल्दी आएं और योजना का ज्यादा लाभ पाएं।

विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने ओटीएस योजना की अवधि बढ़ाए जाने पर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा से मुलाकात कर उपभोक्ताओं की तरफ से आभार व्यक्त किया और नववर्ष की बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई है कि पावर कारपोरेशन प्रबंधन किसानों को मुफ्त बिजली दिए जाने का आदेश जल्द जारी करेगा ताकि भ्रम की स्थिति दूर हो सके। निश्चित रूप से सरकार के इस निर्णय से बिजली बकायेदारों को कुछ राहत मिलेगी।

भाजपा के बैठक में बनी बूथ स्तर के मजबूती की रणनीति

–यूपी की सभी 80 सीटों को जीतने का लक्ष्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के बस्ती मुख्यालय पर सोमवार को पार्टी के जिला पदाधिकारियों, मण्डल अध्यक्षों की बैठक सम्पन्न हुई। पार्टी के जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र की अध्यक्षता एवं प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल की मौजूदगी में हुई। मंच पर पवन कसौधन, राजेन्द्र गौड़, महेश शुक्ल, प्रेम सागर तिवारी, राजेन्द्र तिवारी, सुशील सिंह, यशकांत सिंह, रवि सोनकर, राजेश पाल चौधरी मौजूद रहे। बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों एवं अभियानों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। बैठक में 27 दिसम्बर को लखनऊ में सम्पन्न हुई पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में हुए निर्णयों और आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को साझा किया गया। आगामी कार्यक्रमों एवं अभियानों के क्रियान्वयन के लिए 5 जनवरी तक सभी संगठनात्मक मंडलो में मण्डल इकाई की बैठकें आयोजित करने का निर्णय हुआ। बैठक का संचालन जिला महामंत्री रामचरन चौधरी ने किया। वही विकसित भारत अभियान के संयोजक अमृत कुमार वर्मा ने यात्रा का रोड मैप प्रस्तुत किया।

पार्टी के प्रदेश महामन्त्री व क्षेत्रीय प्रभारी गोविन्द नारायण शुक्ल ने बैठक में उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों से कहाँ पार्टी लगातार जन अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए चुनावों में जीत हासिल कर रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा मोदी के विकास की गारंटी की यात्रा है। बैठक मोदी की गारंटी वाली गाड़ी जिस भी मोहल्ले या गांव में जा रही है वहां लोगों का विश्वास बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 73 लोकसभा सीटों पर भाजपा पहले भी विजय का परचम फहरा चुकी है और अब हमें लक्ष्य 80 को पूर्ण करना है। इसके लिए हमें निश्चित समयावधि में प्रभावी काम करना है। भाजपा विभिन्न कार्यक्रमों एवं अभियानों के माध्यम से सतत जनता के सम्पर्क में रहती है और यही भाजपा की मजबूती का आधार है लोकसभा चुनाव नजदीक है इसलिए परिश्रम भी अधिक है काम का वर्गीकरण और सबको काम इसी स्ट्रेटेजी पर काम करना है।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि मजबूत बूथ अध्यक्ष ही बूथ विजय का आधार होता है। मजबूत बूथ इकाई के द्वारा फाल्स वोटर्स की पहचान आसानी से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन का एक–एक क्षण राष्ट्र की उन्नति तथा देश के नागरिकों की आत्मनिर्भरता के लिए समर्पित है। जिलाध्यक्ष ने कार्यक्रमों एवं अभियानों पर चर्चा करते हुए कहा कि बस्ती में नमो एप पर दो लाख लोगो को जोड़कर विकसित भारत एम्बेसडर बनाने का लक्ष्य है। इसमें सभी को जुटना है। युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा कॉलेज कैम्पस में पहुंचकर युवाओं को विकसित भारत एम्बेसडर बनाने का काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि 24 जनवरी को नव मतदाता सम्मेलन आयोजित किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारी पन्ना प्रमुख की जिम्मेदारी निभाएंगे। जनकल्याणकारी योजनाओं से एक नया लाभार्थी वर्ग भी बना है। पार्टी लाभार्थियों से सम्पर्क व संवाद के लिए लाभार्थी सम्पर्क अभियान भी प्रारम्भ करेगी। पार्टी के सभी मोर्चे भी चुनाव के मोर्चे पर डटेंगे और विभिन्न अभियानों व कार्यक्रमों के माध्यम से जनता के बीच जाकर संवाद करेगें। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा नव मतदाता सम्मेलन तथा शक्ति केन्द्रो पर नुक्कड़ सभाओं जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगा। वहीं महिला मोर्चा लखपति दीदी, अनुसूचित मोर्चा बस्ती सम्पर्क, ओबीसी मोर्चा युवा संवाद, किसान मोर्चा किसान अधिवेशन, अनुसूचित जनजाति मोर्चा जनजाति महासम्मेलन तथा अल्पसंख्यक मोर्चा संवाद जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोक संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक योजना का पूर्व में ब्लूप्रिंट तैयार करके समय का नियोजन करते हुए कार्य करना है ताकि समय पर प्रत्येक कार्य सम्पन्न हो सके। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी जाएं जिससे सभी के सहयोग से प्रत्येक बूथ पर विजय सुनिश्चित हो सके। इस मौके पर प्रमोद पाण्डेय, राकेश श्रीवास्तव, अनिल दुबे, बाल कृष्ण त्रिपाठी, अभिषेक कुमार, दुष्यंत विक्रम सिंह, अमृत कुमार वर्मा, रोली सिंह, अतुल यादव, अजय पाण्डेय, कुन्दन लाल वर्मा, अरविन्द श्रीवास्तव, अमरेश पाण्डेय, आनंद सिंह, रवि प्रताप सिंह, विनय यादव, अमित शुक्ल, शिव बहादुर मौर्य, विजय गुप्ता, रघुनाथ सिंह, धर्मेन्द्र जयसवाल, दिलीप पाण्डेय, ब्रहमदेव यादव, श्रीश पाण्डेय, आशा सिंह सहित जनप्रतिनिधि जिला पदाधिकारी मण्डल अध्यक्ष मौजूद रहे।

जापान में भूकम्प, सुनामी का खतरा

टोक्यो (आभा)। जापान में भूकंप के तगड़े झटके लगने के बाद हजारों की संख्या में आबादी प्रभावित हुई है। इशिकावा में समुद्र की ऊंची लहरें डरा रही हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.4 मापी गई है। रूस के तटीय इलाकों में भी सुनामी का अलर्ट जारी किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जापान के पश्चिमी तट के पास भूकंप के बाद सुनामी का खतरा मंडरा रहा है। जापान में भूकंप कितना चिंताजनक है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 33 हजार से अधिक घरों में बिजली सप्लाई बाधित हुई है।

संवेदनशील और चिंताजनक मंजर के बीच भारतीय दूतावास की तरफ से आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। भारतीय दूतावास ने संपर्क के लिए ई–मेल एड्रेस भी जारी किया है। याकूब टोपनो, अजय सेठी और डीएन बर्नवाल के अलावा एस भट्टाचार्य और विवेक राठी के नंबर जारी किए गए हैं।

दूतावास की तरफ से जारी बयान में कहा गया, एक जनवरी, 2024 को आए शक्तिशाली भूकंप और सुनामी के संबंध में आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए आपातकालीन नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। जापान में स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि आपदा प्रभावित आबादी किसी भी सहायता के लिए पांच अधिकारियों के अलावा दो ई–मेल आईडी–`बवदे. जवालव/उमं.हवअ.पद और वर्मिबव. जवालव/उमं.हवअ.पद पर भी संपर्क कर सकती है।

दूतावास के मुताबिक, मदद पाने के लिए आपातकालीन नंबरों और ईमेल आईडी पर संपर्क करने के अलावा स्थानीय प्रशासन और सरकार के निर्देशों का पालन करें। दूतावास ने भरोसा दिलाया है कि अधिकारी संबंधित अधिकारियों के संपर्क में बने हुए हैं।

जापान में भूकंप के बाद राहत और बचाव कार्य में जुटे अधिकारियों और बिजली सप्लाई कंपनियों ने बताया कि भूकंप के केंद्र के आसपास 33,500 घरों की बिजली सप्लाई ठप हो चुकी है। जापान के मुख्य द्वीप होन्शू के बुरी तरह प्रभावित होने की खबर है। इसके अलावा तोयामा, इशिकावा और निगाता प्रांत में भी बड़ी आबादी भूकंप से प्रभावित हुई है।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर शिक्षकों की भूख हड़ताल 8 जनवरी को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने सोमवार को प्रेस क्लब सभागार में पत्रकारों से वार्ता करते हुये कहा कि वर्ष 2024 शिक्षकों, केन्द्रीय और राज्य कर्मचारियों के लिये निर्णायक वर्ष है। पुरानी पेंशन बहाली के लिये हमें पूरी ताकत झोंकनी होंगी तभी यह अधिकार हासिल हो सकेगा। पत्रकारों के सवालों का उत्तर देते हुये संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि पेंशन बहाली संयुक्त मंच 'एन.जे.सी.ए.' राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर आगामी 8 जनवरी को दिन में 10 बजे से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में 24 घंटे की भूख हड़ताल शुरू किया जायेगा।, इसमें संघ पदाधिकारी और शिक्षक हिस्सा लेंगे।

शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाल किये जाने की मांग को लेकर बीते वर्ष में संगठन द्वारा निर्णायक संघर्ष किया गया। उन्होने

–अधिकारों के लिये एक जुट रहें शिक्षक, कर्मचारी– उदयशंकर शुक्ल

सरकारी नौकरियों में कार्यरत नई पीढी का आवाहन किया कि वे अपने अधिकारों के लिये गंभीर प्रयास करें और आन्दोलनों में बढ चढकर हिस्सा लें। यदि 2024 में चूक गये तो शिक्षकों, कर्मचारियों के बुढापे की लाठी को सरकार छीन लेगी।

प्रेस वार्ता के बाद आयोजित बैठक में मुख्य रूप से अभय सिंह यादव, रीता शुक्ला, सूर्य प्रकाश शुक्ल, शैल शुक्ल, चन्द्रभान चौरसिया, संदेश कुमार रंजन, बब्बन पाण्डेय, चन्द्रशेखर पाण्डेय, आशुतोष पाण्डेय, कन्हैया पटेल, अभिषेक कुमार जायसवाल, सुनील यादव, रामचन्द्र शुक्ल, के साथ ही अनेक संघ पदाधिकारी, शिक्षक मौजूद रहे।

बस्ती मण्डल के प्रथम सांसद उदयशंकर दूबे की जयंती पर जरूरतमंदों में किया कम्बल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बस्ती मण्डल के प्रथम सांसद गांधी कला भवन के साथ ही अनेक शैक्षणिक संस्थाओं के संस्थापक उदयशंकर दूबे को उनके 125 वीं जयंती पर सोमवार को याद किया गया। इसी क्रम में कला प्रसार समिति की उप सभापति श्रीमती विन्देश्वरी दूबे को उनके 80 वें जयन्ती पर याद करते हुये स्मृति में गोष्ठी के साथ ही जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण किया गया।

कला प्रसार समिति सचिव हरिस्वरूप दूबे के संयोजन में कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि बस्ती मण्डल के प्रथम सांसद उदयशंकर दूबे ने गांधी कला भवन के साथ ही अनेक शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना किया। समिति की उप सभापति श्रीमती विन्देश्वरी दूबे ने अपने पति स्वर्गीय वंशीधर दूबे के साथ मिलकर उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने की दिशा में पूरी ताकत लगा दिया। दुर्भाग्य से प्रशासन साथ नहीं दे रहा है और गांधी कला भवन को सरकारी कार्यालय बना दिया गया। स्थिति ये है कि गांधी जयन्ती तक पर गांधी कला भवन के द्वार बंद रहते हैं। उनका पूरा प्रयास होगा कि प्रथम सांसद के सपनों को साकार करने की दिशा में प्रयास लगातार जारी रहे।

जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में वीरेन्द्रनाथ पाण्डेय, अमरनाथ शुक्ल, सूर्यकान्त त्रिपाठी, विश्म्भरनाथ पाण्डेय, पदमेश दूबे, पूनम शुक्ल, सीमा, सुभाष चन्द्र पाण्डेय आदि ने प्रथम सांसद उदयशंकर दूबे के व्यक्तित्व, कृतित्व पर प्रकाश डालते हुये उन्हें नमन् किया। कहा कि जब देश गुलाम था उन्होने आजादी की लड़ाई लड़ी और समग्र बस्ती मण्डल के विकास में अपना योगदान दिया किन्तु उन्हें उपेक्षित कर दिया गया है। कला प्रसार समिति उनके उद्देश्य को पूरा करने की दिशा में कार्य करती रहेगी।

कार्यक्रम में अरविन्द तिवारी, अभिषेक गुप्ता, गौरव त्रिपाठी, भगवानदीन, मनीष तिवारी, शेषनाथ पाठक, राजेश्वरी पाण्डेय, सुदामा, रमेश, तफसील, हरेन्द्र तिवारी, मुन्ना गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक **भारतीय बस्ती**

बस्ती 2 जनवरी 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

विवाह के नाम पर ठगी

जब से सोशल मीडिया का नैटवर्क पूरी दुनिया में बढ़ा है तब से इसका प्रयोग करने वालों की संख्या भी करोड़ों में पहुंच गई है। इसका एक लाभ तो यह है कि दुनिया के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति दूसरे छोर पर बैठे व्यक्ति से 24 घंटे सम्पर्क में रह सकता है। फिर वह चाहे आपसी चित्रों का आदान—प्रदान हो, टैलीफोन वार्ता हो या कई लोगों की मिलकर ऑनलाइन मीटिंग हो। इसका एक लाभ उन लोगों को भी हुआ है जो जीवन साथी की तलाश में रहते हैं। फिर वह चाहे पुरुष हों या महिलाएं। हम सबकी जानकारी में ऐसे बहुत से लोग होंगे जिन्होंने इस माध्यम का लाभ उठा कर अपना जीवन साथी चुना है और सुखी वैवाहिक जीवन बिता रहे हैं। पर हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। अगर एक पहलू यह है तो दूसरा पहलू यह भी है जहां सोशल मीडिया का दुरुपयोग करके बहुत सारे लोगों को धोखा मिला है और आथ्र्थक व मानसिक यातना भी झेलनी पड़ी है।

भारत में किसी अविवाहित महिला का जीवन जीना आसान नहीं होता। उस पर समाज और परिवार का भारी दबाव रहता है कि वह समय रहते शादी करे। चूंकि आजकल शहरों की लड़कियां काफी पढ़—लिख रही हैं और अच्छी आमदनी वाली नौकरियां भी कर रही हैं इसलिए प्रायरू ऐसी महिलाएं केवल माता—पिता के सुझाव को मान कर पुराने ढर्रे पर शादी नहीं करना चाहतीं। वे अपने कार्य क्षेत्र में या फिर सोशल मीडिया पर अपनी पसंद का जीवन साथी ढूंढती रहती हैं।

इसके साथ ही ऐसी महिलाओं की संख्या कम नहीं है जो कम उम्र में तलाकशुदा हो गईं या विधवा हो गईं। इन महिलाओं के पास भी अपने गुजारे के लिए आर्थिक सुरक्षा तो जरूर होती है परन्तु भावनात्मक असुरक्षा के कारण इन्हें भी फिर से जीवन साथी की तलाश रहती है। इन दोनों ही किस्म की महिलाओं को दुनिया भर में बैठे ठग अक्सर मूर्ख बना कर मोटी रकम ऐंठ लेते हैं। बिना शादी किए ही इनकी जिंदगी बर्बाद कर देते हैं।

ऐसी ही कुछ सत्य घटनाओं पर आधारित बी.बी.सी. की एक वैब सीरीज 'वैडिंग कॉन' इसी हफ्ते ओ.टी.टी. प्लेटफार्म एमजॉन प्राइम पर जारी हुई है। यह सीरीज इतनी प्रभावशाली है कि इसे हर उस महिला को देखना चाहिए जो सोशल मीडिया पर जीवन साथी की तलाश में जुटी हैं। बॉलीवुड की मशहूर निर्माता—निर्देशक तनुजा चंद्रा ने बड़े अनुभवी और योग्य फिल्मकारों की मदद से इसे बनाया है। इस सीरीज में जिन महिलाओं के साथ हुए हादसे दिखाए गए हैं उनमें से एक विधवा महिला तो अपनी मेहनत की कमाई का लगभग डेढ़ करोड़ रुपया उस व्यक्ति पर लुटा बैठी जिसे उसने कभी देखा तक न था।

इसी तरह एक दूसरी महिला ने 50 लाख रुपए गंवाए तो तीसरी महिला ने 22 लाख रुपए। चिंता की बात यह है कि ये सभी महिलाएं खूब पढ़ी—लिखी, संपन्न परिवारों से और प्रोफैशनल नौकरियों में जमी हुई थीं। शादी की चाहत में सोशल मीडिया पर ये ऐसे लोगों के जाल में फंस गईं जिन्होंने अपनी असलियत छिपा कर शादी की वैब साइटों पर नकली प्रोफाइल बना रखे थे। ये ठग इस हुनर में इतने माहिर थे कि उनकी भाषा और बातचीत से इन महिलाओं को रत्ती भर भी शक नहीं हुआ। वे बिना मिले ही उनके जाल में फंसती गईं और उनकी भावुक कहानियां सुन कर अपने खून—पसीने की कमाई उनके खातों में ट्रांसफर करती चली गईं।

इन महिलाओं को कभी यह लगा ही नहीं कि सामने वाला व्यक्ति कोई बहुरूपिया या ठग है और वह बनावटी प्यार जता कर इन्हें अपने जाल में फंसा रहा है। इनमें से 2 व्यक्ति तो ऐसे निकले जो तीस से लेकर पचास महिलाओं को धोखा दे चुके थे। तब कहीं जा कर पुलिस उन्हें पकड़ पाई। आश्चर्य की बात यह है कि संभ्रांत परिवार की यह पढ़ी—लिखी महिलाएं इस तरह ठगों के झांसे में आ गईं कि पूरी तरह लुट जाने के पहले उन्होंने कभी अपने माता—पिता तक से इस विषय में सलाह नहीं ली और न ही उन्हें अपने आर्थिक लेन—देन के बारे में कभी कुछ बताया। जब इन्हें यह अहसास हुआ कि वे किसी आधुनिक ठग के जाल में फंस चुकी हैं तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अब पछताए होत क्या जब चिडिया चुग गई खेत। इस अप्रत्याशित परिस्थिति ने उन्हें ऐसा सदमा दिया कि कुछ तो अपने होशोहवास ही गंवा बैठीं। उनके माता—पिता को जो आघात लगा वह तो बयान ही नहीं किया जा सकता।

फिर भी इनमें से कुछ महिलाओं ने हिम्मत जुटाई और पुलिस में शिकायत लिखवाने का साहस दिखाया। फिर भी ये ज्यादातर ठगों को पकड़वा नहीं सकीं। साइबर क्राइम से जुड़े पुलिस के बड़े अधिकारी और साइबर क्राइम के विशेषज्ञ वकील ये कहते हैं कि मौजूदा कानून और संसाधन ऐसे ठगों से निपटने के लिए नाकाफी हैं। इनमें से भी जो ठग विदेशों में रहते हैं उन तक पहुंचना तो नामुमकिन है। क्योंकि ऐसे ठगों का प्रत्यर्पण करवाने के लिए भारत की दूसरे देशों से द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि नहीं है। देसी ठगों को भी पकडना इतना आसान नहीं होता क्योंकि वह फर्जी पहचान, फर्जी आधार कार्ड, फर्जी पैन कार्ड, फर्जी टैलीफोन नंबर का प्रयोग करते हैं और अपने मकसद को हासिल करने के बाद इन सबको नष्ट कर देते हैं।

इस सीरीज की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि यह करोड़ों भारतीय महिलाओं को बहुत गहराई से ये समझाने में सफल रही है कि शादी के मामले में सोशल मीडिया की सूचनाओं को और इसके माध्यम से संपर्क में आने वाले व्यक्तियों को तब तक सही न मानें जब तक उनकी और उनके परिवार की पृष्ठभूमि की किसी समानांतर प्रक्रिया से जांच न करवा लें। कोई कितना भी प्रेम क्यों न प्रदर्शित करे, अपने वैभव का कितना भी प्रदर्शन क्यों न करे उसे एक पैसा भी शादी से पहले किसी कीमत पर न दें। शादी के बाद भी अपने धन और बैंक अकाऊंट को अपने ही नियंत्रण में रखें,उसे नए रिश्ते के व्यक्ति के हाथों में न सौंप दें वरना जीवन भर पछताना पड़ेगा। जिन महिलाओं के पास ओ.टी.टी. प्लेटफार्म की सुविधा नहीं है अपने मित्रों या रिश्तेदारों के घर जा कर इस सीरीज को अवश्य देखें और अपने साथियों को इसके बारे में बताएं ताकि भविष्य में कोई महिला इन ठगों के जाल में न फंसे।

सदुपयोग से पूरे होंगे जीवन के लक्ष्य

—क्षमा शर्मा—

अपनी खट्टी—मीठी यादों के साथ 2023 विदा हो गया। हर रोज की आपाधापी, एक—एक दिन का बीतना, महीनों में बदलना और फिर साल की विदाई के रूप में आना। कहते हैं न कि समय को किसी पिंजरे में बंद नहीं किया जा सकता, न उसे पकड़ा जा सकता है। हां, उसके अच्छे और सार्थक उपयोग के तरीके ढूंढ़े जा सकते हैं। हर दिन कुछ ऐसा किया जा सकता है, जिससे समय का सदुपयोग भी हो और हमें संतुष्टि भी मिले। इन दिनों अक्सर लोग, हर दूसरा आदमी यह कहता पाया जाता है कि करना तो हम यह भी चाहते हैं, वह भी चाहते हैं लेकिन कर नहीं पाते, क्योंकि समय नहीं मिलता। अब सोचने की बात यह है कि जिन्हें देखकर हम सोचते हैं कि अमुक तो इतना सब कुछ कर लेते हैं, और हम उनके मुकाबले कुछ नहीं कर पाते, आखिर उनके पास भी तो समय हमारे बराबर ही है। रात—दिन को मिलाकर चौबीस घंटे ही।

इस मामले में अपनी परिचित एक महिला का उदाहरण देना सही मालूम पड़ता है। इस महिला का कहना था कि उसने अपनी नींद का समय तय कर रखा है, वह रात को दस बजे तक सो जाती है। इससे पहले सवेरे की तैयारी कर देती है जैसे कि सब्जी काटना, आटा गूंदना, दाल चुनकर रखना, बच्चों से उनका बस्ता लगवाना। उनकी यूनिफार्म निकालना, उनके मोजे जूतों में रखवाना, पानी की बोतल और लंच बाक्स अपनी जगह पर रखना। रात को सारा परिवार मिलकर खाना खाता है। परिवार में आपसी सामंजस्य और मेल—मिलाप के लिए जरूरी है कि सब इकट्ठे बैठकर खाना खाएं। बच्चे नौ बजे तक सो जाते हैं। इसके बाद यह महिला कोई टीवी प्रोग्राम देखती है। अगले दिन की तैयारी में जो कुछ बचा हो उसे पूरा करती है, पति से बातें करती है, हंसती, खिलखिलाती है।

रात को दस बजे सोने के बाद यह सवेरे पांच बजे उठती है। दोनों पति—पत्नी योग करते हैं। उससे पहले यह दाल और सब्जी बनने रख देती है। जितनी देर दोनों योग करते हैं, दाल, सब्जी बनकर तैयार हो जाती है। दाल—सब्जी की तैयारी रात को सोने से पहले ही कर दी गई थी, इसलिए कोई दिक्कत भी नहीं होती। इसके बाद दोनों चाय पीते हैं। बच्चों को उठाते हैं। पति बच्चों को नहलाने—धुलाने, तैयार करने में मदद करते हैं। महिला बच्चों का नाश्ता और स्कूल ले जाने का टिफिन तैयार करती है। जब तक पति बच्चों को स्कूल छोड़ने जाते हैं, वह दोनों के लिए दफ्तर ले जाने का खाना और नाश्ता तैयार कर देती है। पति कालेज में पढ़ाते हैं, इसलिए दोपहर में बच्चों के आने से पहले वह लौट आते हैं। उनका होमवर्क करा देते हैं। खाना गर्म करके तीनों साथ खा लेते हैं।

सवेरे रसोई का काम खत्म होने से पहले ही पति आकर घर की साफ—सफाई का जिम्मा संभालते हैं। महिला रसोई को संवारती है। दोनों के नहाने के बाद कपड़े वाशिंग मशीन में डालती है। जब तक नाश्ता करते हैं, तैयार होते हैं, कपड़े धुल जाते हैं। निकलने से पहले या तो वह या पति कपड़े सुखा देते हैं और इस तरह शाम तक का काम बिना किसी बाहरी मदद के पूरा हो जाता है। महिला कार ड्राइव करके आफिस चली जाती है। लौटते हुए दफ्तर के पास लगने वाली फल मंडी से बच्चों के लिए फल भी खरीदकर गाड़ी में रख लेती है। उसका कहना है कि जहां वह रहती है, वहां फल बहुत महंगे मिलते हैं और अच्छे भी नहीं होते, इसलिए वह यहां से खरीदती है। बचत भी होती है।

एक बार आफिस के टाउन हाल में इस महिला ने जब अपनी दिनचर्या के बारे में बताया, तो सब बहुत चकित हुए। कइयों ने कहा कि तुम इनसान हो या रोबोट। इतने सारे काम कैसे कर लेती हो। थकती नहीं हो। फिर नौकरी भी करने आ जाती हो। संयोग से ये दिन साल के आखिरी दिन ही थे। दृबहुत से लोग उसे लेडी राबिन्सन क्रूसो भी कहने लगे।

महिला उनकी बातें सुनकर हंसी। उसने कहा आप लोग हर नए साल के शुरू होने से पहले बहुत से संकल्प लेते होंगे। जिनमें स्वास्थ्य सम्बंधी संकल्प भी होते होंगे। बचत करने की बात होती होगी। परिवार के साथ समय बिताने के बारे में भी सोचते होंगे। योग, एक्सरसाइज भी शिड्यूल में होते होंगे। आप ही बताइए जिस दिनचर्या के बारे में मैंने आपको बताया, उसमें इनमें से कौन—सी चीज छूट गई। मैं और मेरे पति अपने परिवार की देखभाल करते हैं। अपने स्वास्थ्य के बारे में सोचते हैं तभी योग करते हैं। घर की साफ—सफाई भी एक्सरसाइज ही समझिए। जितना समय हम जिम में आने—जाने में खर्च करते, उतने समय में घर के काम भी पूरे हो जाते हैं और हमारी एक्सरसाइज भी। अच्छे स्वास्थ्य के लिए घर का खाना जरूरी माना जाता है इसलिए हम कोशिश करते हैं कि घर का खाना ही खाएं, वही बच्चों को खिलाएं। हां, कभी—कभार की बात और है। यही नहीं, हम बचत के बारे में भी सोचते हैं क्योंकि अभी तो उम्र है कमाने की, एक दिन ऐसा आएगा कि उम्र तो बची रहेगी, लेकिन कमाने के साधन खत्म हो जाएंगे, इसलिए हर एक के लिए बचत जरूरी है। हम वही करते हैं। अपने बच्चों के नाम से भी हमने वे अकाउंट्स खुलवा रखे हैं जिनसे बड़े होकर उन्हें पढ़ने—लिखने में सुविधा होगी। अलग से पैसे का इंतजाम नहीं करना पड़ेगा। हम समय पर सोते हैं और समय पर उठते हैं। और दिलचस्प बात यह है कि हमारे पास कभी भी समय की कमी नहीं पड़ती। सारे काम पूरे होने के बाद भी समय बचा रहता है। साल में दो बार छुट्टियां लेकर हम बच्चों को घुमाने ले जाते हैं।

इस पर इस महिला ने कहा था कि काम से बोर आप तब होते हैं, जब आप एक ही किस्म का काम लगातार करते रहें। मेरे पास तो सवेरे से शाम तक सब अलग—अलग तरह के काम हैं। मैं उन्हें इन्जाय भी बहुत करती हूं। पति का सहयोग है, तो कामों में कोई दिक्कत भी नहीं होती। मैं हर साल शुरू होने से पहले सोचती हूं कि इस साल भी उसी तरह से काम करती रहूंगी जिस तरह से पिछले साल किया। और देखिए कि काम पूरे हो जाते हैं। जब मैंने गाड़ी खरीदी थी तो पति ने भी कहा था कि ड्राइवर रख लूं। लेकिन मुझे लगा कि क्यों न खुद चलाना सीखूं। इससे मुझे भी एक नई विद्या आएगी और आना—जाना आसान होगा। अब सारे परिवार को कहीं जाना होता है तो या तो मैं या पति गाड़ी चलाते हैं। इस तरह हम कहीं जा भी पाते हैं और किसी पर निर्भरता भी नहीं है। संसार की सबसे बुरी बात अपने काम के लिए दूसरों पर निर्भरता है।

दफ्तर में इस महिला की बातचीत की इतनी तारीफ हुई थी कि उसे ही सबसे बड़ा इनाम दिया गया था। आप भी चाहें तो आने वाले साल के लिए इस महिला से बहुत कुछ सीख सकते हैं। नए साल के संकल्प ले सकते हैं।

—लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सनातन धर्म के प्रति बढ़ता आकर्षण

—सौरभ तामेश्वरी—

ग्रेगोरियन कैलेंडर के परिवर्तन के साथ ही पाश्चत्य नववर्ष प्रारंभ हो गया है। लोगों द्वारा नए वर्ष में नए विचारों के साथ स्वयं में सुधार करने की योजनायें बनायी जाती हैं। जीवन और लक्ष्यों को लेकर अनेक नवाचार किये जाते हैं, लेकिन अगर आपसे कहें कि कुछ लोग अपनी योजनायें और लक्ष्यों को लम्बे समय से वैसे ही रखे हुए हैं। तो आप कहेंगे, वह अपना काम अपने हिसाब से कर रहे हैं इससे हमें क्या ! परन्तु उनकी यह बातें सकारात्मक होतीं तो कुछ न था। उनके उद्देश्य नकारात्मक हैं, जो कि सभी के लिए चिंता के विषय हैं।

जन—जन के जीवन में अपना हिस्सा रखने वाले सनातन की खूब चर्चाएँ हो रही हैं, इसकी शिक्षाओं से दुनिया भर के देश अपने कार्यों को कर रहे हैं। दुनिया में इसके प्रति सभी की स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। जैसा कि पहले ही बताया जिन लोगों को प्रलोभन देकर 'कन्वर्जन' कराया गया, अब वह भी अपने धर्म के प्रति वापिस आ रहे हैं और अपने हिन्दू होने पर गौरव कर रहे हैं। वर्ष 2023 में मध्य प्रदेश में ऐसे कई अवसर आये जब मतांतरित हुए परिवारों ने घरवापसी की।

आपको यह जानकार हैरानी होगी कि मत—संप्रदायों के कुछ लोग, लम्बे समय से मतांतरण के उद्देश्य को अपनी प्राथमिकताओं में रखकर लगातार इसके लिए कार्य कर रहे हैं। वह दूसरे धर्मों को नीचा दिखाकर, देवी—देवताओं का अपमान करके नागरिकों को अपने साथ शामिल करने का कार्य करते हैं। देश भर से मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसे कई मामले सामने आये हैं, जिनके आधार पर कहा जा सकता है कि 'कन्वर्जन' करने के लिए भोलेभाले बंधुओं को कभी रुपयों का लालच देकर तो कभी चिकित्सीय सुविधायें देने की बात बताकर उनका 'कन्वर्जन' कराया जाता रहा है। उन्हें कभी ईसाई तो कभी मुस्लिम बना लिया जाता है। इस रेस में ईसाई ज्यादा हावी होते हैं।

लम्बे समय तक इनके ऊपर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया इसलिए देश में व्यापक स्तर पर 'कन्वर्जन' हुए। इसके विरुद्ध हाल ही के वर्षों में आई जागरूकता के बाद अब परिणाम सामने आने लगे हैं। दुनिया भर के सामने इसकी सच्चाई आ चुकी है। 'कन्वर्जन' का खेल अब जग जाहिर हो चुका है। सनातन जन—जन तक पहुंचा है। फलस्वरूप, प्रलोभनों में फंसे लोग अब स्वधर्म में वापसी करने लगे हैं। हाल ही में जब तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उधयनिधि स्टालिन ने सनातन को खत्म करने की बात कही, तो देश भर में उनका विरोध हुआ। जगह—जगह उदयनिधि के पुतले जलाए गए व उसके ऊपर कार्रवाई की मांग उठी।

जन—जन के जीवन में अपना हिस्सा रखने वाले सनातन की खूब चर्चाएँ हो रही हैं, इसकी शिक्षाओं से दुनिया भर के देश अपने कार्यों को कर रहे हैं। दुनिया में इसके प्रति सभी की स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। जैसा कि पहले ही बताया जिन लोगों को प्रलोभन देकर 'कन्वर्जन' कराया गया, अब वह भी अपने धर्म के प्रति वापिस आ रहे हैं और अपने हिन्दू होने पर गौरव कर रहे हैं। वर्ष 2023 में मध्य प्रदेश में ऐसे कई अवसर आये जब मतांतरित हुए परिवारों ने घरवापसी की। उन्होंने कहा कि दूसरे धर्म के लोगों ने उन्हें बहला फुसलाकर अपने मत—संप्रदाय में शामिल कर लिया था, लेकिन वह अब उनके चंगुल से निकल रहे हैं।

19 फरवरी 2023 रू छतरपुर में बागेश्वर धाम पहुंचकर 220 लोगों ने स्वधर्म वापसी की. यह लोग चार बसों में भरकर आसपास के ग्रामों से आये हुए थे। सभी 220 लोगों को पीले रंग की पट्टिका पहनाकर उनकी घर—वापसी कराई गई। यहाँ पहुंचें परिवारों के लोगों में से किसी ने कहा कि उन्हें प्रलोभन देकर ईसाई बना लिया गया था। वहीं किसी ने बताया कि पहले उसकी ईसाई लडकी से शादी करा दी गयी, लेकिन वह घर नहीं आई और बोली ईसाई बनो उसके बाद ही वह घर आएगी। यह सभी परिवार एकजुट होकर बागेश्वर धाम पहुंचे जहाँ उन्होंने हिन्दू धर्म में वापसी की।

29 मार्च 2023 — झाबुआ अतर्गत आने वाले ग्राम धामंदा के परिवार के 8 लोगों ने की स्वधर्म में वापसी की। परिजन ने बताया कि वह पहले बीमार रहते थे, इसका फायदा उठाकर किसी ने उन्हें स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रलोभन दिया और उन्हें ईसाई धर्म में ले गया। नौ वर्ष पहले उन्हें ईसाई बना लिया गया था। वहां रहकर उन्हें ध्यान आया कि अपना सनातन धर्म ही बेहतर है, जिसके बाद परिवार के सभी जन ने घरवापसी का निर्णय लिया। पूरा परिवार कोकावद गाँव के महादेव धाम पहुंचें, यहां उन्होंने विशेष पूजा—अर्चना कर स्वधर्म में वापसी की।

30 अप्रैल 2023 — बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की कथा सागर जिले के बहेरिया में चल रही थी। कथा के दौरान 50 परिवार के 95 लोगों ने यहाँ घरवापसी की। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि निर्धन लोगों को मच्छरदानी और बकरी देने के साथ पढ़ाई आदि का प्रलोभन देकर ईसाई बनाया था। वह यहाँ कथा सुनने आये तो अपने धर्म में ही रहने के अन्दर इच्छा जागी, जिसके बाद उन्होंने कथा के दौरान घरवापसी की। सभी बोले अपना धर्म ही अच्छा है।

31 जुलाई 2023 — देवास के ग्राम नेमावर गाँव में 190 लोगों की घरवापसी की। 35 परिवारों के लोग इन सभी लोगों ने संत समाज के सानिध्य में सनातन धर्म में वापसी की। उनमें से कुछ लोगों ने बताया कि उनके पूर्वज भीख मांगते थे और वह किसी कारणवश बने मुस्लिम बन गये थे। लेकिन अब वह स्वधर्म वापसी करना चाहते हैं क्योंकि अपना धर्म ही सबसे बढ़िया है। जिसके बाद नेमावर में नर्मदा स्नान, मुंडन, हवन, यज्ञोपवीत आदि क्रियाएं करने के बाद उन्होंने स्वधर्म वापसी की।

22 दिसम्बर 2023 — मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के लगे गांव के नागरिकों ने ईसाई धर्म छोड़ कर पुनः हिंदू धर्म अपनाया। इस दिन यहाँ रहने वाले 152 लोगों ने घरवापसी की। इनमें बैतूल के 72 और महाराष्ट्र के अमरावती जिले से लगे 12 से ज्यादा गांवों के 80 लोग शामिल हैं। वह सभी सावलमेंढ़ा के रामदेव बाबा संस्थान पहुंचे। उन्होंने स्वधर्म वापसी की बात बताई तो उनके हाथों में कलावा बंधकर, उन्हें गंगाजल पिलाया और उनके पैर पखारकर उनके स्वधर्म वापसी के निर्णय पर उनका अभिनन्दन किया।

यह तो मध्य प्रदेश के कुछ ही मामले हैं। आप देश भर में देखेंगे तो इनकी संख्या और बढ़ जाएगी। 'कन्वर्जन' का खेल चला खूब चला है, तभी तो व्यापक स्तर पर लोग अब स्वधर्म वापसी करते हुए देखे जा रहे हैं। सनातन का चरमोत्कर्स जन—जन के अन्दर पहुँच रहा है. इससे मिलने वाले जीवन के सभी दिशा—निर्देशों से दुनिया लाभान्वित होकर स्वयं को धन्य मान रही है। वहीं कनवर्टेड की स्वधर्म वापसी की राह के प्रारंभ होने से 'धर्म की जय, अधर्म का नाश' गुंजायमान होना प्रतीत होने लगा है।

सरकार और सर्वोच्च न्यायालय

—विराग गुप्ता—

सुप्रीम कोर्ट में दूसरे वरिष्ठ जज संजय किशन कौल ने रिटायरमैंट के बाद इंटरव्यू में कई अहम बातें कही हैं। उनके अनुसार न्यायपालिका संविधान की संरक्षक है, जिसे सियासी समर्थन या विरोध की भूमिका नहीं निभानी चाहिए। मोदी सरकार के प्रथम कार्यकाल में जजों की...

सुप्रीम कोर्ट में दूसरे वरिष्ठ जज संजय किशन कौल ने रिटायरमैंट के बाद इंटरव्यू में कई अहम बातें कही हैं। उनके अनुसार न्यायपालिका संविधान की संरक्षक है, जिसे सियासी समर्थन या विरोध की भूमिका नहीं निभानी चाहिए। मोदी सरकार के प्रथम कार्यकाल में जजों की नियुक्ति प्रणाली के कॉलेजियम सिस्टम में बदलाव के लिए बनाए गए एन.जे.ए.सी. कानून को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था।

जस्टिस कौल के अनुसार एन.जे.ए.सी. जैसे कानून को सफल बनाने के लिए कुछ और समय देना चाहिए था। उन्होंने न्यायपालिका में अंकल जजों के माध्यम से भाई—भतीजावाद की बढ़ती प्रवृत्ति को भी रोकने की बात कही। साल 2024 में लोकसभा के आम चुनाव होने हैं। जस्टिस कौल की बातचीत से सरकार और न्यायपालिका के रिश्तों में टकराहट की आहट होने लगी है।

2023 का हलचल भरा साल— जम्मू—कश्मीर में विशेष दर्जे वाले अनुच्छेद—370 को निष्प्रभावी करने पर सुप्रीम कोर्ट ने मोहर लगाकर संसद की प्रभुसत्ता को स्वीकार किया है। सात साल बाद दिए फैसले में नोटबंदी के निर्णय को सही ठहराने से केन्द्र सरकार को भी राहत मिली है। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना जो सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला चीफ जस्टिस बनेंगी, ने फैसले से असहमति व्यक्त करते हुए कहा कि इसे अध्यादेश की बजाय कानून के जरिए लाना चाहिए था।

जस्टिस जोसफ वाली संविधान पीठ ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए पैनल बनाने का फैसला दिया। लेकिन सरकार ने संसद से कानून बनाकर उस पैनल से चीफ जस्टिस को बाहर कर दिया, जिस पर नए सिरे से मुकद्दमेबाजी शुरू हो सकती है। दिल्ली में 'आप' और केन्द्र की भाजपा सरकार के बीच सियासी लड़ाई के अनेक संवैधानिक पहलुओं पर सुप्रीम कोर्ट में फैसला हो चुका है। लेकिन मुकद्दमेबाजी और विवाद खत्म नहीं हो रहे।

शिवसेना विवाद पर कोर्ट ने देरी से फैसला दिया, जिसकी वजह से शिंदे गुट को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को मंजूरी नहीं देने के बावजूद समलैंगिक संबंधों को मान्यता देने का फैसला दिया। आई.पी.सी. की जगह नई भारतीय न्याय संहिता में भी इन सम्बन्धों को अनापराधिक रखा गया है। इस तरह से देखा जाए तो साल 2023 में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों से सरकार और संसद दोनों को राहत मिली है।

2024 का अहम साल—विपक्ष शासित राज्यों में राज्यपाल के माध्यम से केन्द्र सरकार के हस्तक्षेप का मामला 2024 में विवाद में छाया रहेगा। सरकार बनाने और गिराने में राज्यपाल की भूमिका के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने बोम्मई समेत कई मामलों में अहम फैसले दिए हैं। केरल में राज्य सरकार और गवर्नर के बीच विवाद बहुत तल्ख हो गया है। इसलिए इस साल गवर्नर की भूमिका के बारे में सुप्रीम कोर्ट गाइडलाइंस निर्धारित कर सकती है। दिल्ली में अधिकारियों की भूमिका और राज्य सरकार के अधिकारों पर भी नए साल में मुकद्दमेबाजी और बढ़ सकती है।

राम मंदिर के उद्घाटन के साथ काशी और मथुरा के मामलों में कानूनी विवाद बढ़ गए हैं। इन दोनों मामलों में हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट में भी कानूनी युद्ध के मोर्चों का इस साल विस्तार हो सकता है। 1991 के 'प्लेसेज ऑफ वर्शिप' एक्ट की वैधता और उसके क्रियान्वयन के बारे में लंबित याचिका पर भी जल्द सुनवाई की मांग हो सकती है। अयोध्या विवाद के फैसले में संविधान पीठ ने इस कानून को मान्यता दी थी। इसलिए इस कानून में बदलाव की याचिका पर 7 या ज्यादा जजों की बैंच के गठन की मांग उठ सकती है।

चोरी के तीन कार के साथ पश्चिम बंगाल बिहार व झारखंड के चार लिफ्टर गिरफ्तार

संवाददाता—महराजगंज। एसओजी, स्वाट व श्यामदेउरवा पुलिस ने चोरी के तीन लग्जरी कार के साथ पश्चिम बंगाल, झारखंड व बिहार के चार अंर्तराज्यीय वाहन लिफ्टरों को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दी। बरामद वाहनों में दो क्रेटा व एक स्वीफ्ट कार है। इन कारों को पश्चिम बंगाल व झारखंड से चुराया गया था। आरोपित चोरी के वाहनों को बेचने के लिए नेपाल ले जा रहे थे। पुलिस टीम ने चोरी की कार बरामदगी के बाद चारों आरोपितों को जेल भेज दी। पुलिस कार्यालय के तथागत सभागार में सोमवार को एसपी सोमेन्द्र मीना ने कार्रवाई की जानकारी दिया। बताया कि पुलिस टीम को 31 दिसंबर की रात करीब 11 बजे मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि चार संदिग्ध चोरी के तीन वाहन को नेपाल बेचने के लिए गोरखपुर–महराजगंज मार्ग के रास्ते जा रहे हैं। इस सूचना पर एसपी ने एसओजी प्रभारी महेन्द्र यादव, स्वाट प्रभारी योगेश कुमार सिंह व श्यामदेउरवा थाना के प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया। इसके बाद पुलिस टीम परतावल क्षेत्र के छातीराम छट घाट के पास वाहनों की सघन जांच शुरू कर दी। उसी दौरान तीन कार के साथ चारों आरोपित पकड़े गए। जांच–पड़ताल में आरोपितों ने कार चोरी का जूर्म कबूल लिया। जिसके बाद उनको गिरफ्तार कर लिया गया। चोरी के बरामद वाहनों में दो क्रेटा कार व एक स्वीफ्ट कार है। पुलिस ने इस तीन वाहनों के साथ पुलिस टीम ने जिन चार अंर्तराज्यीय वाहन लिफ्टरों को गिरफ्तार की है उसमें से चारों मूल रूप से बिहार के निवासी हैं। इसमें से दो पश्चिम बंगाल के पश्चिम वर्धमान जिला व रांची झारखंड में अस्थायी रूप से रहते हैं। पूछताछ में आरोपितों ने अपना सौरभ कुमार सिंह उर्फ अभिषेक पुत्र उमेश कुमार सिंह(24) निवासी गविरार थाना रघुनाथपुर जिला सिवान बिहार व अस्थायी निवासी बहुला मोती बाजार रानीगंज थाना बनबहाल जिला पश्चिम वर्धमान पश्चिम बंगाल, प्रिंस कुमार सिंह पुत्र श्याम कुमार सिंह(23) व राहुल कुमार सिंह पुत्र अरविन्द सिंह(25) निवासी कर्णपुरा आमडाढी थाना एकमा जनपद छपरा सारण बिहार व चौथा आरोपित विनित कुमार सिंह पुत्र अखिलेश सिंह(21) निवासी कर्णपुरा आमडाढी थाना एकमा जनपद छपरा सारण बिहार व अस्थायी पता मोहल्ला रांची रातुचट्टी एसबीएल गेट सिवाला क्वार्टर थाना रातु जनपद रांची झारखंड का निवासी है। पूछताछ में आरोपित सौरभ ने बताया कि उनके गैंग का सरगना सोनू गीरी है। वह पश्चिम बंगाल के जिला पश्चिम वर्धमान का रहने वाला है। पेशे से वह बिल्डर है। उसकी ड्रीम च्वाइस नाम की एक कंपनी है। इस कंपनी के जरिए वह लोगों की गाड़ियों को लीज पर लेता था। इसी कारोबार की आड़ में वाहन चोरी की घटना हो रही थी। सौरभ ने बताया कि सोनू गीरी ने आठ गाड़ियों को बेचने के लिए उसे दिया था। इसमें से पांच गाड़ियों को वह पश्चिम बंगाल व बिहार में बेच चुका था। इन तीन लग्जरी कारों को देवरिया व मऊ जिले में 3 लाख 70 हजार रूपए में बंधक रखा था। सोनू गीरी ने बंधक पर रखे गाड़ियों को वापस लेकर नेपाल में बेचने का निर्देश दिया था। वाहन चोरी के मामले में पश्चिम वर्धमान जिले के पंडेश्वर थाना में केस भी दर्ज है। चोरी की तीन लग्जरी कारों के साथ अंर्तराज्यीय गिरोह के चार आरोपितों को गिरफ्तार करने वाली टीम में एसओजी प्रभारी महेन्द्र यादव, स्वाट प्रभारी योगेश कुमार सिंह व श्यामदेउरवा थाना के प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार सिंह के श्यामदेउरवा थाना के एसआई अखिलेश प्रताप सिंह, कांस्टेबल रामप्रीत कुमार, हिमांशु सिंह, प्रताप राजभर के अलावा एसओजी व स्वाट टीम के हेड कांस्टेबल शैलेन्द्र त्रिपाठी कुतबुद्दीन, धीरेन्द्र कुमार मिश्र, कांस्टेबल दीपक कुमार सिंह, राजीव कुमार यादव व राम आशीष यादव शामिल रहे।

वाहनों की हड़ताल से बेबस यात्री भटकते रहे

संवाददाता—बलरामपुर। नया दुर्घटना कानून बनाए जाने को लेकर चार पहिया वाहन चालकों में आक्रोश फैल गया है। सोमवार को प्राइवेट बस, ट्रक व सरकारी बसों के चक्के नहीं ढोले। नाराज वाहन चालकों ने तीन दिवसीय हड़ताल शुरू की है। बाहर जाने वाले सैकड़ों यात्री नए साल के पहले दिन भटकते दिखे। बीमारों को छोटे चार पहिया वाहनों की बुकिंग कराकर लखनऊ भेजना पड़ा। प्राइवेट वाहन चालकों ने कई स्थानों पर चक्का जाम कर बहराइच व गोरखपुर की ओर जा रहे ट्रकों को रास्ते में रोक लिया। यहां तक कि हड़ताल के कारण चीनी मिलों में गन्ने की आपूर्ति प्रभावित हुई है। परिवहन निगम चालक बसों को चलाना तो चाहते हैं, लेकिन प्राइवेट चालकों के डर से संचालन ठप रखना पड़ा है। कुल मिलाकर जिले में कई करोड़ रुपए का कारोबार प्रभावित हुआ है। सरकार ने व्हिकल एक्ट में संशोधन कर नया कानून बनाया है। कहा गया है कि दुर्घटना के बाद यदि वाहन चालक घायल व्यक्ति को छोड़कर भाग जाता है तो उस पर कार्रवाई सुनिश्चित की गई है। कहा गया है कि दुर्घटना में घायल की मृत्यु होने पर चालक को दस साल कारावास व पांच लाख रुपए का अर्थदंड दिया जाएगा। इस कानून को लेकर वाहन चालकों में आक्रोश है। प्राइवेट बस मोटर ऑपरेटर यूनियन, ट्रक मोटर ऑपरेटर एसोसिएशन व परिवहन निगम के चालकों ने सोमवार को बसों का संचालन ठप कर दिया। वीर विनय चौराहा के निकट खड़े छोटे वाहनों को प्राइवेट वाहन चालकों ने खदेड़ दिया। कहा कि तीन दिनों तक किसी को वाहन चलाने नहीं दिया जाएगा। तुलसीपुर बौद्ध परिषद स्थित चकवा गांव के निकट चालकों ने चक्का जाम किया। गोरखपुर जा रहे कई ट्रकों को रोक लिया। कहा कि तीन दिनों तक कोई भी ट्रक जिले से होकर नहीं निकलने पाएगी। इसी तरह बहराइच मार्ग पर भी ट्रकों, बसों व अन्य बड़े वाहनों की आवाजाही ठप रही। चीनी मिल के गन्ना क्रय केन्द्रों पर ठेके पर लगे ट्रक नहीं गए। बलरामपुर, तुलसीपुर व बजाज चीनी मिल में गन्ना आपूर्ति प्रभावित हुई है। मिल के मानव संसाधन एवं प्रशासन के प्रधान प्रबंधक राजीव अग्रवाल ने बताया कि मिल के पास गन्ना आपूर्ति पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। बावजूद इसके ट्रकों के हड़ताल से गन्ना आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिसका राजस्व पर प्रभाव पड़ा है। चालकों के हड़ताल से यात्रियों को काफी दिक्कत उठानी पड़ी। वीर विनय चौराहे पर तमाम यात्री बस के प्रतीक्षा में खड़े मिले। राजेन्द्र के पिता सुरेन्द्र बहादुर की तबियत खराब थी। उनकी सांस फूल रही थी। उन्हें लखनऊ इलाज के लिए जाना था। बस नहीं मिली तो उन्हें छोटा वाहन बुक कराकर लखनऊ निकलना पड़ा। चौराहे पर खड़े महेश कुमार, राजित राम, रुद्र प्रताप, कौशिल्या देवी, आरती, वंदना, तिलकराम आदि ने बताया कि वे सुबह पांच बजे से ही बस की प्रतीक्षा में खड़े हैं। मोहम्मद याकूब व सोहेल को व्यापार के सिलसिले में कानपुर जाना था। बस न मिलने से वह मायूस होकर घर लौट गए। प्रमुख ट्रेनों का संचालन भी इस समय बंद है। इस नाते से यात्रियों की समस्याएं पहले से ही बढ़ी हुई हैं। चालकों के हड़ताल से यात्रियों की समस्याएं और गहरा गई हैं। राम सजीवन, जीवन लाल, जगदंबा प्रसाद आदि को उतरौला जाना था। उनके रिश्तेदार का निधन हो गया है। साधन के अभाव वे अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सके। कुछ छोटे वाहन चोरी छिपे उतरौला की ओर रवाना हुए तो प्राइवेट चालकों ने उन्हें रास्ते में ही रोक लिया। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष गिरिजा शंकर ने बताया कि बलरामपुर में कुल 85 बसों का संचालन होता है जिसमें 14 बसें अनुबंधित हैं। 124 संविदा व 34 चालक स्थाई रूप से तैनात हैं। लगभग दस हजार लोग प्रतिदिन यात्रा करते हैं। बसों का संचालन ठप होने से सोमवार को लगभग 12 लाख रुपए की राजस्व क्षति हुई है। कहा कि परिवहन निगम के चालक बसें चलाना चाहते हैं। ऊपर संगठन से हड़ताल करने का कोई आदेश नहीं प्राप्त हुआ है, लेकिन प्राइवेट वाहन चालकों से डर लगता है कि वे रास्ते में मारपीट न करें। अध्यक्ष ने बताया कि दो बसें किसी तरह लखनऊ के लिए रवाना हुई थीं, जिन्हें बाराबंकी में रोककर तोड़ फोड़ की गई। उन्हें वापस बलरामपुर लौटा दिया गया। इसी तरह प्राइवेट बस मोटर यूनियन के अध्यक्ष जब्बार खां ने बताया कि बलरामपुर से हर्रैया सतघरवा, भिनगा, तुलसीपुर, बढ़नी, सिद्धार्थनर तक कुल 125 बसों का संचालन हो रहा है। सोमवार को सभी बसों का संचालन ठप रखा गया। सरकार जब तक काला कानून वापस नहीं लेगी तब तक बीच–बीच में इसी तरह हड़ताल चलता रहेगा। भगवतीगंज मार गोदाम स्थित संघ कार्यालय पर ट्रक ऑनर मोटर ऑपरेटर एसोसिएशन की बैठक की गई। संघ के अध्यक्ष अंकित सूर्यवंशी ने कहा कि यह कानून एक तरफ कुआं दूसरी तरफ खाई वाली कहावत को चरितार्थ करता है। वाहन चालक यदि मौके पर रुककर घायल को अस्पताल ले जाना चाहे तो भीड़ उसे पीटकर अधमरा कर देती है अथवा हत्या कर देती है। यदि न रुके तो सरकारी कानून उसे मार देगा। चालक पर पांच लाख रुपए का जुर्माना व दस साल की सजा का प्राविधान किया जाना गलत है। चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस होता है, जिसे सरकार जारी करती है। ट्रक का ऑनर हर साल बीमा की रकम अदा करता है। ऐसे में यह कानून समाप्त किया जाना आवश्यक है। उपाध्यक्ष गिरीश वर्मा, पंकज सिंधी व विनोद कुमार पाण्डेय ने बताया कि कोई भी चालक वाहन चलाते समय चींटी को भी बचाने का प्रयास करता है। दुर्घटना हमेशा संयोगवश होती है। चालक मानवतावादी दृष्टिकोण दिखाता है तो तमाम लोग हिंसा पर उतारू हो जाते हैं। इस अवसर पर विवेक अग्रवाल, सईद खान, किशन कुमार व अविनाश शुक्ला आदि मौजूद रहे। वाहन चालक गुड्डू, राज कुमार, हारुन, साधू, विजय, पप्पू, बच्चा, पूजाराम, संतोष व ओम प्रकाश ने सदर विधायक पल्टूराम को ज्ञापन देकर अपनी समस्याएं बताकर कानून वापस लिए जाने की मांग की है।

नन्दिनी के अखाड़े मे सुर संग्राम का आगाज

संवाददाता—गोण्डा। नन्दिनी के अखाड़े में सोमवार से छह दिवसीय सुर संग्राम का आगाज हुआ। पहले दिन देवीपाटन मंडल के सैकड़ें युवाओं ने अपने गायकी के हुनर का प्रदर्शन किया। फिल्मी और नान–फिल्मी कैटेगरी के जूनियर और सीनियर वर्ग मे आयोजित आडिशन के ग्रैंड फिनाले में पहुंचने वाले प्रतिभागियों की घोषणा भी निर्णायक मंडल ने कर दी है। अयोध्या के सुविख्यात पखावज वादक संत पागल दास के स्मृति में आयोजित गायन प्रतियोगिता का शुभारंभ महंत राज कुमार दास और संत कमल नयन दास ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए प्रतियोगिता के आयोजक सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा की पूर्वांचल के नवोदित गायकों को प्रोत्साहित करने के संकल्प के तहत उन्होंने यह प्लेटफार्म मुहैया कराया है। उन्होंने युवाओं को बेहतर और प्रतिस्पर्धी माहौल देने का प्रयास किया है। शास्त्रीय गायन में दक्ष अयोध्या के संतों ने सासंद के इस पहल की सराहना की। साथ ही अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं को भावविभोर भी कर दिया।

युवा कलाकारों के सुर–ताल–लय को परखने के बाद ज्यूरी कमेटी द्वारा दिए गए अंकों के अधार विजेताओ का चयन हुआ। संचालन मुन्ना सहारा ने किया। उपस्थित लोगों जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्रा, चेयरमैन डा. सत्येन्द्र सिंह, प्रशासक राम कृपाल सिंह, डा. अजय मिश्रा, डा. देवानंद तिवारी, डा. सुनील तिवारी, डा. नवीन सिंह, सतीश सिंह, पिकंल सिंह, सोनू सिंह रहे।

अवध केसरी सेना के अध्यक्ष को गोली मारने वाला बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

संवाददाता—गोण्डा। अवध केसरी सेना के प्रदेश अध्यक्ष नील ठाकुर को गोंडा जिले के सोनी गुमटी के पास घर जाते समय पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट कर घायल करने के बाद बदमाशों ने गोली मार दी थी। और सरा समझ कर छोड़ कर चले गए थे। वह अपने कार के बगल घायल अवस्था में पड़े थे। पुलिस ने उन्हें लाकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। प्राथमिक उपचार के बाद इलाज के लिए उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया है। जहां पर उनका इलाज चल रहा है। नील ठाकुर को गोली मारने वाला इनामी बदमाश को पुलिस ने रविवार की रात में मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी है। उसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पर उसका इलाज चल रहा है।

बीते 21 दिसंबर को देर रात्रि घर जाते समय पुरानी रंजिश को लेकर अवध केसरी सेना के प्रदेश अध्यक्ष नील ठाकुर को करीब आधा दर्जन बदमाशों ने मारपीट कर घायल करने के बाद गोली मार दिया था। फिर उन्हें सरा समझ कर छोड़ कर चले गए थे। नील ठाकुर के कमर में गोली लगी गंभीर अवस्था में लखनऊ में उनका इलाज चल रहा है। अब हालत खतरे के बाहर बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने कुछ नामजद समेत नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा लिखा था। जिसमें शातिर अपराधी बिक्कू सिंह सहित छह लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इस मामले का आरोपी 25 हजार का इनामी बदमाश सुधाकर सिंह को रविवार की आधी रात एसओजी नगर कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने राधेपुरवा के पास गायत्रीपुरम में घेराबन्दी की। पुलिस को देखकर अभियुक्त सुधाकर सिंह ने जान से मारने की नियत से पुलिस पार्टी के ऊपर फायर किया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में अभियुक्त सुधाकर सिंह के पैर में गोली लगी है। जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 01 अदद अवैध पिस्टल 32बोरमय एक अदद जिंदा और दो अदद खोखा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि एसओजी टीम और कोतवाली नगर पुलिस की संयुक्त कार्यवाई में पुलिस ने 25 हजार के इनामी बदमाश को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। बदमाश के पैर में गोली लगी है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल बदमाश के कब्जे से एक अवैध पिस्तौल दो जिंदा और दो खोखा कारतूस बरामद किया है। इस बदमाश ने 21 दिसंबर को नील ठाकुर नाम के एक व्यक्ति को अपने साथियों के साथ गोली मारकर घायल कर दिया था। इसमें एक गोली नील ठाकुर के कमर में लगी थी। इसका इलाज लखनऊ में चल रहा है। इस मामले में पुलिस ने अब तक सात अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया था। सुधाकर सिंह नाम का मुख्य अभियुक्त फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रुपए इनाम की घोषणा की गई थी। इसको आज गिरफ्तार किया गया है। इसके ऊपर पहले से भी जानलेवा हमला बलवा सहित विभिन्न धाराओं में चार मुकदमे दर्ज हैं।

कार्यालय नगर पंचायत गायघाट, बस्ती।

निविदा आमंत्रण सूचना

(ई- प्रोक्यूरमेंट सूचना)

एतद्द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है, कि नगर विकास अनुभाग–7 के पत्रांक 39/2023/2043/002–9–7002–002–1–2023 दिनांक 06 अक्टूबर 2023 द्वारा कान्हा गोशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष ऑन लाइन निविदां आमंत्रित की जाती है। कार्य से सम्बन्धित निविदा प्रपत्र वेवसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा। वेवसाइट पर उपलब्ध निविदा नोटिस में घरोहर धनराशि, निविदा डालने की तिथि, समय, श्रेणी, कार्य करने की अवधि एवं निविदा लागत तथा निविदा के विस्तृत नियम एवं शर्तों का उल्लेख है।

क्रमांक	वेबसाइट पर ई–निविदा प्रकाशन की तिथि व समय	तिथि	समय
1	ई–निविदा प्रकाशित किये जाने की तिथि एवं समय	20–01–2024	12:00 बजे
2	ई–निविदा डाउनलोड किये जाने की प्रारम्भ तिथि एवं समय	20–01–2024	12:00 बजे
3	ई–निविदा अपलोड किये जाने की अंतिम तिथि एवं समय	31–01–2024	14:00 बजे
4	ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय	01–02–2024	14:00 बजे

अधिशाषी अधिकारी सुनील कुमार

नगर पंचायत गायघाट
बस्ती

अध्यक्ष
नगर पंचायत गायघाट
बस्ती

पत्रांक 446 (1–3)/ निविदा आमंत्रण/ न0पं0गा0/2023–24 दिनांक 01–01–2024

केक काट कर मनाया गया नया साल

संवाददाता—श्रावस्ती। वर्ष 2024 के आगाज होते ही लोग नए साल के जश्न में लोग डूब गए। ठंड होने के बाद भी बौद्ध श्रावस्ती देशी–विदेशी पर्यटकों से गुलजार रही। वहीं नेपाल सीमा पर स्थित सोनपथरी व विभूतिनाथ में भी पर्यटकों की धूम रही। लोगों ने खूब मस्ती की। नए साल के जश्न पर पुलिस का भी पहरा लगा रहा। कुछ लोगों ने पार्कों में जाकर जश्न मनाया सेल्फी का पोज लिया और रील बनाते हुए देखा गया तो कुछ लोग मंदिरों व धार्मिक स्थलों पर जाकर सुख–समृद्धि और शांति की कामना की। नववर्ष 2024 का लोगों ने अपने अपने तरीके से स्वागत किया। नए साल की पहली सुबह कोहरे से हुई। लोगों ने सुबह आंख खोली तो चारों ओर कोहरा छाया रहा। लेकिन कुछ देर बाद कोहरे की तनी चादर छंट गई तो नए साल का उत्साह में चार चांद लग गया। लोग घरों से पार्कों व धार्मिक स्थलों की ओर रवाना होने लगे। बुद्ध व जैन की तीर्थस्थली श्रावस्ती में बलरामपुर, बहराइच, गोंडा व अन्य जिलों के अलावा विदेशी पर्यटकों ने गुनगुनी धूप के बीच नए साल का जश्न मनाया। 2024 के इस पल को यादगार बनाने के लिए सेल्फी के साथ साथ रील बनाते हुए लोगों को देखा गया। लगभग पांच हजार से अधिक पर्यटकों ने यहां आकर नए साल का जश्न मनाया। छोटे छोटे बच्चों ने पार्क में नाचते कूदते हुए खूब लुफ्त उठाया। इस दौरान लोगों के आवागमन से श्रावस्ती तिराहा से लेकर अंगुलिमाल गुफा तक मार्ग जाम रहा। इसी तरह से नेपाल सीमा पर स्थित सोनपथरी आश्रम में भी पर्यटकों की खूब धूम रही। सैकड़ों लोग सोनपथरी आश्रम में पहुंचे और पूजा पाठ किया। इसके साथ ही जंगल और पहाड़ों पर जाकर आनंद लिया। इसी तरह से विभूतिनाथ मंदिर में भी पर्यटकों की भीड़ रही। नए साल पर संत कबीर लघु माध्यमिक स्कूल लक्ष्मनगर में केक काट कर जश्न मनाया गया। स्कूल प्रधानाचार्य पंडित बंशीलाल मिश्र ने केक काट कर बच्चों व शिक्षकों का मुंह मीठा कराया। इस मौके पर देवनी नंदन मिश्र सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे। स्कूली बच्चों ने खूब मस्ती की।

थारू समाज की बालिकाओं के बीच पहुंची डीएम

संवाददाता—श्रावस्ती। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने थारू समाज की बालिकाओं व महिलाओं के बीच पहुंच कर खुशियां बांटी। इस दौरान डीएम ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा सोमवार को विकास खण्ड सिरसिया के जनजातीय ग्राम पंचायत मोतीपुर कला पहुंची। इस दौरान उन्होंने जूनियर हाईस्कूल रनियापुर में हरिशंकरी पौधरोपण व मंगलकामना उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिलाधिकारी बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुई। कार्यक्रम में पहुंची डीएम का थारू बालिकाओं व महिलाओं की ओर से माला पहनाकर, पुष्प वर्षा स्वागत किया गया। इस दौरान थारू बालिकाओं की ओर से परंपरागत शैली में स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इसके बाद बालिकाओं की ओर से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। डीएम की ओर से पंचवटी पौधरोपण स्थल पर विधि विधान से पूजा–अर्चना कर हरिशंकरी पौधों का रोपण किया गया। जिलाधिकारी ने थारू बालिकाओं को अग्रणी बैंक की ओर से दिये गये प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण, प्रोबेशन, श्रम विभाग के स्टाल भी लगाये गए। जिलाधिकारी ने कहा कि उन्हें थारू समाज की बालिकाओं व महिलाओं से मिलकर बेहद खुशी होती है। थारू समाज की बालिकाओं व महिलाओं की ओर से अनेक क्षेत्रों में अद्वितीय कार्य किये गये हैं। उनके द्वारा जल जीवन मिशन में कई सराहनीय कार्य किये गये है। उन्होंने कहा कि थारू समाज की बालिकाओं के लिए आश्रम पद्धति विद्यालय के माध्यम से अच्छी शिक्षा दिये जाने का प्रयास किया जा रहा है।

वार्षिकोत्सव में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता—गोण्डा। विद्यालय के वार्षिकोत्सव में बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में अभिभावकों व प्रबंधक ने विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। आरएस इंटर कालेज बालपुर में सोमवार को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व सरस्वती वंदना के साथ शुरू हुआ। बच्चों ने लोकगीत, नाटक, नृत्य व संवाद आदि प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में सैकड़ों अभिभावक व गणमान्य लोगों ने बच्चों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम समापन के बाद विद्यालय के प्रबंधक धीरेन्द्र कुमार तिवारी उर्फ बड़कऊ तिवारी ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर अरविन्द शुक्ला, विद्या प्रसाद, त्रिलोकी नाथ तिवारी, राजेश चौबे, राजकुमार चौबे, पप्पू शुक्ला, ठाकुर चौबे, प्रधानाचार्य पवन मिश्रा, ललित तिवारी एवं समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

चालकों की हड़ताल से थमे बसों के पहिए, नए साल के पहले ही दिन परेशान हुए लोग

संवाददाता—देवरिया। केंद्र सरकार की ओर से गाड़ी ड्राइविंग को लेकर नए कानून के विरोध में सोमवार को गोरखपुर मंडल में चालक सड़क पर उतर आए हैं। गोरखपुर के अलावा देवरिया–सलेमपुर फोर लेन पर जगह–जगह प्रदर्शन किया गया। रोडवेज कर्मचारियों के अलावा इसमें प्राइवेट वाहन स्वामी सहित चालक संघ से जुड़े लोग शामिल हुए। इससे देवरिया जिले भर में रोडवेज की बसें नहीं चली। ऐसे में नए साल के पहले ही दिन बाहर जाने का मूड बनाए लोगों को सवारी के लिए परेशान होना पड़ा। जो लोग पिकनिक मनाने अपने वाहन से जा रहे थे, जगह–जगह रोके जाने से वह समय से नहीं पहुंच सके। देवरिया शहर के रोडवेज बस स्टैंड, भटवलिया चौराहे पर सुबह में चालकों ने चक्का जाम कर हड़ताल किया। इससे राहगीरों को दिक्कतें उठानी पड़ी। सलेमपुर नगर के बस स्टैंड पर सोमवार को ट्रक खड़ा कर चालकों ने सड़क जाम कर दिया। करीब आधे घंटे बाद पहुंची कोतवाली पुलिस ने डंडा पटक कर जाम को समाप्त कराई। इसको लेकर सलेमपुर –देवरिया मुख्य मार्ग पर तकरीबन एक घंटे तक आवागमन बाधित रहा। दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। एक टेलर को पुलिस कोतवाली लेकर गई और खड़ा करा दिया। प्रदर्शन कर रहे चालकों ने बताया कि नए नियमों के तहत मार्ग दुर्घटना होने पर गरीब चालक सात लाख जुर्माना कहां से भरेगा। 10 साल सजा का प्रावधान भी नए कानून में किया गया है। यह हम चालकों के लिए अन्याय है। जब तक सरकार इसे वापस नहीं लेती, हमारी हड़ताल जारी रहेगी।

महोत्सव में लगाएं गोरखपुर के इतिहास पर आधारित प्रदर्शनी –मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि 11 से 13 जनवरी तक आयोजित होने वाले गोरखपुर महोत्सव में गोरखपुर के इतिहास पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाए। इसमें गोरखपुर पर केंद्रित विशिष्ट लेखों को लोगों के अवलोकनार्थ रखा जाए। साथ ही लुप्त हो रहे पारंपरिक वाद्य, गायन व नृत्य कलाओं को महोत्सव के जरिये प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जाएं। सीएम योगी सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के सभाकक्ष में गोरखपुर महोत्सव, खिचड़ी मेला की तैयारियों और जिले के विकास कार्यों की प्रगति को लेकर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। गोरखपुर महोत्सव और खिचड़ी मेला की अब तक हुई तैयारियों की जानकारी लेने के बाद उन्होंने कहा कि जो भी कार्य शेष रह गए हैं, उन्हें शीघ्रता से पूरा कर लिया जाए। महोत्सव की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत वर्षों के महोत्सव में जो कलाकार प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं, उनकी बजाय नए स्थानीय कलाकारों को मौका दिया जाए। महोत्सव के स्टालों का उद्घाटन जनप्रतिनिधियों से कराया जाए। खिचड़ी मेला को लेकर उन्होंने कहा कि इस मेला में बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने आते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा, सुविधा और सहूलियत में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि सभी कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता का ध्यान हर हाल में रखा जाए। मुख्यमंत्री ने शीतलहर में आमजन की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में अलाव जलवाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में स्थान चिन्हित कर अलाव के इंतजाम किए जाएं।

नए साल पर सीएम ने किया रुद्राभिषेक, प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि के लिए की प्रार्थना

संवाददाता–गोरखपुर। अंग्रेजी कैलेंडर का यह नववर्ष मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के लिए बेहद खास होने जा रहा है। 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीरामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने के साथ ही गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियों का सपना साकार होगा। ऐसे में सीएम योगी ने नए साल के पहले दिन की शुरुआत प्रभु श्रीराम के द्वारा भी पूजित देवाधिदेव महादेव के अभिषेक (रुद्राभिषेक) और हवन अनुष्ठान के साथ की। इस दौरान उन्होंने भगवान भोलेनाथ से समस्त नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति की प्रार्थना की। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान नववर्ष के प्रथम दिन, सोमवार को प्रातःकाल मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मंदिर के अपने आवास के प्रथम तल स्थित शक्तिपीठ में विधिविधान से रुद्राभिषेक किया। विद्वत आचार्य एवं पुरोहितगण ने रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन व आरती की। विधि विधान से पूर्ण हुए अनुष्ठान के उपरांत मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

सीएम योगी को सामने देख चौंक गए बच्चे, बोले- हैप्पी न्यू ईयर महराज जी

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी नजर दो बच्चों पर पड़ी। उन्होंने उन्हें अपने पास बुलाया। सीएम योगी को सामने देख बच्चों को यकीन ही नहीं हो पा रहा था। प्रफुल्लित होकर वे मुख्यमंत्री के पास पहुंचे और चरण स्पर्श कर बोल पड़े, श्हैप्पी न्यू ईयर महराज जी। नववर्ष का पहला दिन, गोरखनाथ मंदिर दर्शन–पूजन करने गए कुछ बच्चों के लिए यादगार बन गया। नए साल की पहली सुबह न केवल उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलाने वाली रही बल्कि उन्हें सीएम को हैप्पी न्यू ईयर बोलने और बदले में ढेर सारा प्यार–दुलार दिलाने वाली भी रही। संयोगवश सीएम योगी से मिलने का अवसर अकस्मात प्राप्त करने वाले बच्चों में से एक का जन्मदिन भी था, लिहाजा मुख्यमंत्री ने उसे अपने स्नेहिल आशीष से भी खूब अभिसिंचित किया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हमेशा की तरह सोमवार सुबह भी मंदिर परिसर का भ्रमण कर रहे थे। संयोग से यह नए साल का पहला दिन भी है। मंदिर परिसर का भ्रमण करते मुख्यमंत्री की नजर कड़ाके की ठंड में मंदिर में दर्शन पूजन करने आए कुछ बच्चों पर पड़ गई। उन्होंने प्यार से उन्हें अपने पास बुलाया। सीएम योगी से मुलाकात इस तरह हो जाएगी, इसका बच्चों को यकीन ही नहीं हो पा रहा था। प्रफुल्लित होकर वह मुख्यमंत्री के पास पहुंचे और चरण स्पर्श कर बोल पड़े, श्हैप्पी न्यू ईयर महराज जी। यह सुनते ही मुख्यमंत्री मुस्कुराने लगे। सिर पर हाथ फेरकर शुभकामनाएं, आशीर्वाद देने के साथ उन्होंने बच्चों का नाम और उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा। शिवम पटेल नाम के बच्चे ने बताया कि वह प्रयागराज का रहने वाला है और परिजनों के साथ धर्मस्थलों की यात्रा करते हुए गोरखनाथ मंदिर आया है। जबकि गोरखपुर के रहने वाले बालक आकाश ने मुख्यमंत्री से कहा कि आज उसका जन्मदिन है और वह गुरु गोरखनाथ का दर्शन कर आशीर्वाद लेने आया है। यह सुनते ही सीएम योगी ने उसे जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों को खूब पढ़ने, स्वस्थ रहने और खूब आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया।

भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा से पहले आरजेडी समर्थकों ने लगाए विवादित पोस्टर

संवाददाता–अयोध्या। 22 जनवरी को भगवान राम अपने भव्य राम मंदिर में प्रवेश कर जाएंगे। पीएम मोदी के हाथों से प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होना है। इसके लिए भव्य तैयारियां चल रही है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए घर– घर में अक्षत निमंत्रण भेजे जाने की शुरूआत हो चुकी है। इसी बीच बिहार में आरजेडी समर्थकों ने एक विवादित पोस्टर लगाकर बवाल मचा दिया है। इस बयान से अब राजनीति गरमाती नजर आ रही है। इस पोस्ध्टर में लिखा है कि मंदिर मतलब मानसिक गुलामी और स्कूल मतलब– जीवन में प्रकाश। ये पोस्ध्टर पटना में बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और लालू प्रसाद यादव के आवास के सामने लगाया गया है। दरअसल, ये पोस्टर आरजेडी समर्थकों ने भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फूले की जयंती समारोह के अवसर पर लगाए गए हैं। लालू– राबड़ी आवास के बाहर लगाए गए इन पोस्टर में सनातन और हिंदू देवी देवताओं पर विवादित बयान देने वाले आरजेडी विधायक फतेह बहादुर सिंह की फोटो लगे हैं। इसके अलावा लालू यादव, राबड़ी देवी, बिहार के वर्तमान उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की भई फोटो लगी हुई है। वहीं, साथ में सावित्री बाई फूले की एक फोटो भी लगाई है। इस पोस्ध्टर में सावित्री बाई फूले के बयान का हवाला देते हुए लिखा है कि मंदिर का मतलब मानसिक गुलामी का मार्ग और स्कूल का मतलब होता है जीवन में प्रकाश का मार्ग। जब मंदिर की घंटी बजती है तो हमें संदेश देती है कि हम अंधविश्वास, पाखंड, मूर्खता और अज्ञानता की ओर बढ़ रहे हैं और जब स्कूल की घंटी बजती है तो हमें यह संदेश मिलता है कि हम तर्कपूर्ण ज्ञान और वैज्ञानिकता व प्रकाश की ओर बढ़ रहे हैं। अब तय करना है कि आपको किस तरफ जाना है।

सीएम योगी बोले– जनता की समस्याओं पर तत्काल हो कार्रवाई, हीलाहवाली अक्षम्य

संवाददाता–गोरखपुर। नववर्ष के पहले दिन कड़ाके की ठंड के बावजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान का भरोसा दिया। आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। इसमें हीलाहवाली अक्षम्य होगी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान नए साल के पहले दिन सोमवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

प्रतिकूल मौसम को देखते हुए इस बार जनता दर्शन का आयोजन मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में किया गया। यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक फरियादी से मिले। जनता दर्शन में एक महिला ने दबंग द्वारा मारे–पीटे जाने की पीड़ा बताई तो मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। यदि कोई किसी की भूमि पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसे कानून सम्मत सबक सिखाया जाए। एक महिला द्वारा आवास की समस्या बताने पर सीएम योगी ने अधिकारियों को आवास का इंतजाम करने का निर्देश दिया।

प्राण प्रतिष्ठा पर रामलला को अर्पित किया जाएगा बनारसी पान

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर भगवान श्रीराम को भोग लगाने के बाद बनारसी पान अर्पित किया जाएगा। विशेष ऑर्डर पर यह पान बनारस से अयोध्या भेजा जाएगा। बता दें कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए काशी से बनारसी वस्त्र, पूजा थाल और अन्य जीआई उत्पादों का भी जाना शुरू हो गया है। वहीं, लकड़ी का श्रीराम दरबार और बनारसी दुपट्टा, रामनामी, स्टोन क्राफ्ट जाली वर्क, जरदोजी, वॉल हैंगिंग समेत अन्य उत्पाद बड़ी संख्या में अयोध्या मंगाए जा रहे हैं। रामलला को अर्पित करने के लिए पान अयोध्या की हनुमान गढ़ी में स्थित दीपक चौरसिया की दुकान से जाएगा लेकिन, दीपक ने भगवान के लिए पान का इंतजाम करने का जिम्मा वाराणसी के अपने रिश्तेदार उमाशंकर चौरसिया को सौंपा है।

वाराणसी के पान कारोबारी को 151 पान का ऑर्डर मिला है। यह पान विशेष ढंग से बनाया जाएगा। यह सभी पान मीठे होंगे। उन्हें सिंघाड़े की आकृति देकर चांदी के बरक में लपेटा जाएगा। अयोध्या के जिस दीपक चौरसिया को पान का ऑर्डर मिला है, उसका परिवार वर्षों से भगवान को पान का भोग लगा रहा है। अयोध्या में भगवान राम के शिलान्यास के लिए भूमि पूजन के दौरान भी भोग स्वरूप पान दीपक की दुकान से ही गया था।

मालवाहक टेम्पो दुकान में घुसा, पीलर क्षतिग्रस्त

संवाददाता–गोरखपुर। विजय चौराहे स्थित सिनेमा रोड पर सोमवार की सुबह बेकाबू मालवाहक टेम्पो एक दुकान में घुस गया। उसकी तेज रफ्तार होने से दुकान के सामने लगा पीलर क्षतिग्रस्त हो गया। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना दुकानदार को दी। दुर्घटना के बाद चालक मौके पर ही वाहन छोड़कर भाग गया। मामले की जानकारी पाकर पहुंची पुलिस को लोगों ने बताया कि चालक नशे में धुत था। वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर पुलिस उसके मालिक और चालक की जानकारी जुटा रही है। गनीमत रही की सुबह का समय था। इससे बड़ी घटना टल गई। लोगों का कहना है कि भीड़भाड़ होती तो कई लोग इसकी चपेट में आकर घायल हो जाते। दुर्घटना से राहगीर सकते में आ गए थे।

गृह परीक्षाओं के बाद शुरू होंगी बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षाएं

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षा से पहले ही प्री बोर्ड की परीक्षाएं होंगी। इसके अलावा कक्षा नौवीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षा भी पहले ही करा ली जाएगी। उसके बाद ही प्रयोगात्मक परीक्षाएं शुरू होंगी। माध्यमिक शिक्षा सचिव ने इस बाबत विस्तृत कार्यक्रम जारी किया है। 13 से 22 जनवरी के बीच प्री बोर्ड और वार्षिक परीक्षा सम्पन्न करा ली जाएगी। सचिव माध्यमिक शिक्षा दिव्यकान्त शुक्ल ने अपने आदेश में कहा है कि बस्ती मंडल के सभी विद्यालयों की प्रयोगात्मक परीक्षा 25 जनवरी से एक फरवरी के बीच होगी। इस परीक्षा के शुरू होने से पूर्व इंटरमीडिएट की प्री बोर्ड प्रयोगात्मक परीक्षा 5 जनवरी से 12 जनवरी के बीच पूर्ण करा लिया जाए। वहीं 13 जनवरी से 22 जनवरी के बीच कक्षा 10 वीं, 11 वीं की वार्षिक परीक्षा और दसवी व 12 वीं की प्री बोर्ड परीक्षा कराई जाएगी।

अक्षत वितरण अभियान का शुभारंभ

संवाददाता–अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शंखनाद सोमवार को रामनगरी से हो गया है। आज से देश के पांच लाख गांव में अक्षत वितरण कर प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को ऐतिहासिक बनाने की अपील की जाएगी। दलित बस्ती से श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय की अगुवाई में भव्य शोभा यात्रा निकालकर अक्षत वितरण अभियान की शुरुआत की गई है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने घर–घर जाकर लोगों को पूजित अक्षत व पत्रक देकर 22 जनवरी को उत्सव मनाने की अपील की है। इस दौरान भगवान राम, लक्ष्मण सीता के स्वरूपों से सजी भव्य शोभायात्रा भी निकली गई। शोभा यात्रा का वाल्मीकि समाज के लोगों ने जगह–जगह पुष्प वर्षा कर और भगवान के स्वरूपों की आरती उतार कर स्वागत भी किया। चंपत राय ने कहा कि आज से पूरे देश में अक्षत वितरण अभियान का शुभारंभ हो गया है। देश के 5 लाख गांव तक यह पूजित अक्षत पहुंचाया जाएगा। प 22 जनवरी को आनंद उत्सव मनाने की अपील की जाएगी।

सूर्यदेव का मिला साथ, रामगढ़झील से लेकर पार्कों में मेले सरीखा रहा माहौल

संवाददाता–गोरखपुर। नये साल के स्वागत का जश्न लोगों ने अपने–अपने अंदाज में मनाया। सूर्य देव के समय से दर्शन के बाद घूमने के बचने का कोई बहाना भी नहीं बचा। गोरखनाथ मंदिर से लेकर रामगढ़झील तक बढ़ी संख्या में लोग नये साल के उत्साह में दिखे। रेल म्यूजियम, व्ही पार्क, अंबेडकर पार्क, पंत पार्क के साथ ही लाल डिग्गी पार्क में मेले सा माहौल दिखा। लोग रेस्टोरेंट से लेकर सड़क पर अपने पंसद के फूड का आनंद लेते हुए दिखे। सर्वाधिक भीड़ रामगढ़झील के किनारे दिखी। लोग क्रूज में मजा लेते दिखे तो कई लोगों ने झील में बोटिंग का आनंद उठाया। यहां लोग चाट, फुल्की, मोमो से लेकर चाउमिंग का आनंद लेते दिखे। कुछ वर्षों से घूमने के नये ठिकाने के रूप में विकसित चिड़ियाघर में भी भारी भीड़ देखी गई। रेल म्यूजियम में आम दिनों की तुलना में दस गुना से अधिक लोग पहुंचे। जिससे सड़क पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। इसी तरह व्ही पार्क में शहर के विभिन्न हिस्से से लोग पहुंचे। छोटे काजीपुर की पीहू ने बताया कि धूप खिलने के बाद बैडमिंटन खेलने में खूब मजा आया। इसी के साथ पंत पार्क, तारामंडल क्षेत्र के अंबेडकर पार्क और लाल डिग्गी पार्क में भी बड़ी संख्या में बच्चे से लेकर महिलाएं तक आनंद लेती दिखीं।

भतीजे ने सौ साल की बुजुर्ग से हथिया ली दो करोड़ की संपत्ति

संवाददाता–गोरखपुर। बांसगांव इलाके के परसिया गांव में 100 साल की बुजुर्ग से जालसाजी कर भतीजे ने दो करोड़ की संपत्ति अपने नाम करा लिया। भतीजा, बुआ को इलाज कराने के बहाने कचहरी ले गया और बोला– सादे कागज पर दस्तखत करो, तभी दवा मिलेगी। बुआ ने जब कागज पर दस्तखत कर दिए तो उसने उन्हें दवा दिलाकर घर पहुंचा दिया। भतीजा इतना शातिर है कि उसने बचने के लिए बुजुर्ग के डाकघर के खाते में दो लाख रुपये भी ट्रांसफर कर दिए। एक दिन बुजुर्ग जब पासबुक की एंट्री कराने डाकघर पहुंचीं तो खाते में दो लाख रुपये देखकर हैरान रह गईं। इसके बाद उन्होंने जब लोगों के जरिये जानकारी की तो पता चला कि उनकी जमीन अब किसी और के नाम हो चुकी है। डीएम के निर्देश पर बांसगांव पुलिस, भतीजे अमन सिंह पर केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, बांसगांव इलाके के हरनही की रहने वाली कौशल्या सिंह के पति रामसूरत की काफी साल पहले मृत्यु हो चुकी है। उनका कोई बेटा नहीं है। ऐसे में पूरी प्रॉपर्टी कौशल्या सिंह के ही नाम है। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में लिखा है कि उन्होंने अपनी सगी नातिन रामकली के नाम अपनी पूरी वसीयत कर रखी है। रामकली ही उनकी देखभाल करती है और उनके साथ ही रहती है।

साल 2022 में कौशल्या एक हादसे में घायल हो गई थीं। इसके बाद वह चलने–फिरने और बोलने में असमर्थ हो गईं। इसके कुछ दिनों बाद एक दिन उनके घर मुंहबोला भतीजा अमन सिंह पुत्र जीतन सिंह पहुंचा। उस दिन कौशल्या की नातिन घर पर नहीं थी। अमन कौशल्या का इलाज कराने के बहाने उन्हें घर से ले गया। लेकिन वह डॉक्टर के यहां जाने से पहले उन्हें लेकर तहसील पहुंचा। वहां उसने कौशल्या से कहा कि दवा कराने से पहले उन्हें कुछ कागजात पर हस्ताक्षर करने होंगे। कौशल्या उसकी बातों में आ गईं और कई सादे कागजात पर दस्तखत कर दिए। इसके बाद अमन ने उन्हें दवा दिलाई और फिर घर लाकर छोड़ दिया। आरोप है कि 12 सितंबर 2023 को अमन फर्जीवाड़ा कर खुद को उनका सगा भतीजा बताते हुए उनकी जमीन के सहन का हिस्सा और खेत अपने नाम करा लिया। इसकी कीमत इस समय दो करोड़ से अधिक है। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर का कहना है कि केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। अमन ने कौशल्या सिंह के डाकघर के खाते में दो लाख रुपये भी ट्रांसफर कर दिए। एक दिन कौशल्या डाकघर पहुंचीं तो उन्हें पता चला कि उनके खाते में दो लाख रुपये हैं। यह देख वह चौंक गईं। जब उन्होंने पड़ताल की तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। उनकी सहन की जमीन और खेत अमन और राजपति पत्नी श्रीकृष्ण के नाम हो चुकी थी। इसके बाद उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस और अफसरों से की। फिलहाल, पुलिस इस मामले में केस दर्ज कर जांच में जुटी है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अपील सं0

अन्तर्गत धारा 24 उ0प्र0रा0सं0 2006

अदालत–श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक भानपुर बस्ती जिला–बस्ती

रामसुरेश आदि

बनाम

परसुराम आदि

बावत मौजा तेनुआ असनहरा तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

1. मुहम्मद हुसेन पुत्र सरफराज 2. मोहम्मद इस्माइल पुत्र सिद्दीक 3. अनारा देवी पत्नी मुनेश्वर साकिनान मौजा तेनुआ असनहरा तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 12–01–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 12 महीना 01 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान चकबन्दी अधिकारी अन्तिम अभिलेख बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं. T.B

अन्तर्गत धारा 20 (2) जो0च0अधि

रामसजन आदि

बनाम

बंशराज आदि

बावत मौजा आमा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

बनाम–1/1– मल्लू 1/2 मोतीलाल पुत्रगण बंशराज 3/2 सन्तराम 3/3 राजेन्द्र पुत्रगण निरंजन 3/5 गुलाबी पत्नी निरंजन 6/1 पप्पू 6/2 छोटेलाल पुत्रगण रामनरायन 6/3 इमरता पत्नी रामनरायन 5/1 रामदास पुत्र पल्टी 3/1/1 बैसाखू 3/1/2 प्रकाश 3/1/3 बाबूलाल 3/1/4 रामसनेही पुत्रगण असरफी 3/1/5 गुड़िया ना0वा0 बबलायत भानमती माता स्वयं 3/1/6 श्रीमती भानमती पत्नी असरफी साकिनान मौजा आमा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–01–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 01 के 16 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

प्रकीर्ण सिविल अपील सं0 29/2023

अदालत–श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रेमचन्द्र गुप्ता

बनाम

हरीराम आदि

1. हरीराम उम्र 75 साल पुत्र स्व0 रामदत्त 2. ओम प्रकाश उम्र 50 साल 3. सत्यप्रकाश उम्र 48 साल 4. विजय प्रकाश उम्र 45 साल 5. रवि प्रकाश उम्र 42 साल पुत्रगण स्व0 रामदुलारे 6. जगदीश प्रसाद उम्र 65 साल 7. पारसनाथ उम्र लगभग 62 साल पुत्रगण श्रीनिवास 8. रामअधार उम्र लगभग 60 साल 9. रामनगीना उम्र लगभग 56 साल 10. गंगाधर उम्र लगभग 54 साल 11. शंखधर उम्र लगभग 50 साल पुत्रगण श्रीराम साकिनान मौजा मुण्डेरवा तप्पा देवराव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 03–02–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 03 महीना 02 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0 1200/2021

अहमद अली सिद्दीकी

बनाम

तुफैल अहमद आदि

1. तुफैल अहमद उम्र करीब 32 साल पुत्र अब्दुलाह 2. अब्दुलाह उम्र करीब 55 साल पुत्र सादुल्ला साकिन अमोढ़ा खास (बनकटवा) तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा पोस्ट अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–01–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 18 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com